

संशोधित पाठभेद

| पृष्ठ | पंक्ति | मुद्रितपाठ | संशोधित पाठ |
|-------|--------|--|--|
| १ | १० | तत्थणामंतरसद्यो | तत्थ णामंतरं,अंतरसद्यो |
| ५ | ८ | पढमिल्लमिणं | पढमिल्लं |
| ७ | ७ | पयारेण छावट्ठी | पयारेण वेछावट्ठी |
| १० | ७ | मेत्तेण | मेत्तेहि |
| १० | १४ | कालमें अन्तमुहुर्त काल शेष रहनेपर | अंतर्मुहुर्त कालद्वारा |
| १० | २७ | भागमात्र आयामके द्वारा | भागप्रमाण आयामवाले तथा |
| १४ | १७ | असंतादि गुण | प्रमत्तादि नीचके गुण |
| १७ | ५ | गढो (एवं) दसहि अन्तोमुहुत्तेहि | गदोलद्धमुक्कस्संतरं दोहि अंतोमुहुत्तेहि |
| | | ऊणमद्धपोग्गलपरियटं (अप्पम- ऊणमद्ध पोग्गलपरियटं | तस्सुक्कस्संतदं होदि) |
| १९ | ३ | मोदारिय | मोदारिय |
| १९ | १० | मुवणमिय | मुवसामिय |
| १९ | २६ | प्राप्तकर | उपशमाकर |
| २० | ६ | ऊणमद्ध | ऊणियमद्ध |
| २७ | १ | सत्तम | सत्त |
| ३० | १ | चेवमरिसदूण | चेवरिसदूण |
| ३७ | १० | संजम | संजमासंजम |
| ३७ | २७ | संयमका | संयमासंयमका |
| ४० | ५ | अवसाणे (उवसमसम्मत्तं घेत्तूण) एग | अवसाणे एग |
| ४० | १९ | अन्तमें (उपशमसम्यक्त्व ग्रहण करके) आयुके | अन्तमें आयुके |
| ४८ | ३-४ | जीवेसु अण्णगुणं | जीवेसु सव्वेसु अण्णगुणं |
| ५६ | २१ | इस इतनी महान् राशिका | बढी हुई इस राशिका |
| ५९ | २१ | उत्कृष्ट | जघन्य |
| ५९ | २२ | उत्कृष्ट | जघन्य |
| ६० | ६ | तिहि | बेहि |
| ६० | २३ | तीन | दो |
| ६४ | ५ | समएहि अंतो | समएहि छहि अंतोमुहुत्तेहि |
| ६४ | १७ | ओर अंतर्मुहुर्त | और छह अंतर्मुहुर्त |
| ७७ | २६ | गतिकी अपेक्षा | इन्द्रियकी अपेक्षा |
| ९७ | ७ | देवेसु | देवीसु |
| ९७ | २२ | देवोंमें | देवीयोंमें |

| | | | |
|-----|----|--|--|
| १०० | ८ | अप्पमत्तत्थीवेदाणं | अप्पसत्थत्थीवेदाण |
| १०० | २२ | अप्रमतसंयत स्त्रीवेदियोंका | अप्रशस्त स्त्रीवेदियोंका |
| १०७ | ९ | उवसामिदो | उवसमिगो |
| ११९ | ६ | (पुव्वकोडि) वस्सेसु | दिवसेसु |
| ११९ | २४ | की गई अडतालीस पूर्वकोटी वर्षो | किये गये अडतालीस दिनोंमें |
| १२१ | १ | अंतरब्भतरादो | अब्भंतराओ दो |
| १२१ | १५ | अप्रमतसंयतका काल | अप्रमतसंयतके दो काल |
| १२१ | २४ | तीनों ज्ञानवाले | मति-श्रुतज्ञानवाले |
| १३४ | २० | पलिदोवमस्स | उक्कस्सेण पलिदोवमस्स |
| १३४ | २५ | पल्योपमका | उत्कृष्टसे पल्योपमका |
| १३५ | ६ | (६) अप्पमतो | (६) पमतो |
| १३९ | २ | गदो अचक्खु दंसणीसु | गदो अचक्खुदंसणपा ओग्गमावलियाए असंखेज्जदिभागमच्छिदूण अचक्खुदंसणीसु |
| १३९ | ६ | असंखेज्जलोग | असंखेज्जालोग |
| १३९ | १४ | और अचक्षुदर्शनी जीवोंमें | और अचक्षुदर्शनी जीवोंमे योग्य आवलीके असंख्यातवें भागप्रमाण कालतक रहकर अचक्षुदर्शनी जीवोंमें |
| १३९ | २१ | असंख्यात | असंख्यातासंख्यात |
| १४२ | ८ | खवाणमोघं | खवगाणमोघं |
| १५० | १ | बेवि मिच्छत | बे वि जणा मिच्छत |
| १५१ | ९ | पडिदूणंतरिय | चडिदूणंतरिय |
| १५७ | ३ | वि अंतोमुहुत्तेहि | बे अंतोमुहुत्तेहि |
| १५७ | ५ | पमतंसंजदा | पमत- अप्पमत्तसंजदा |
| १५७ | १८ | पमत संयत | प्रमतसंयत और अप्रमतसंयत |
| १५८ | १ | द्विदिएसु | द्विदिएसु देवेसु |
| १५९ | ११ | अब्भंतरिमाए | अंतरब्भमरिमाए |
| १६० | १ | ए अद्ध | अद्ध |
| १६२ | ४ | परिविदव्वं | परिवेदव्वं |
| १६४ | ११ | पुव्वकोडाएसु | पुव्वकोडाउएसु |
| १६५ | १ | पमत्तापमत्त | तदो पमत्तापमत्त |
| १६९ | ५ | विसेसा | विसेसो |
| १७१ | २ | गुण संकतीए | गुणंतरं संकतीए |
| १७१ | १३ | इन दोनोंके गुणस्थानका परिवर्तन असंभव है । | इन दोनोंका एक गुणस्थानका दूसरे गुणस्थानमें परिवर्तन असंभव है । |

| | | | |
|-----|----|---|---|
| १८६ | ४ | जादो सुणाम | जाण सुणाम |
| १८६ | ७ | भावाणमुवलंभा | भावोवलंभादो |
| १८९ | ४ | चउव्विहो | चउव्विहा |
| १९० | २ | चेय | च्चिय |
| १९३ | ९ | संगहिदो | संगहेण |
| १९३ | १० | असंगहिदो त्ति | असंगहेण त्ति |
| १९३ | २६ | असंगृहीत | अर्थात् संग्रहकी अपेक्षा |
| १९३ | २६ | असंगृहीत | अर्थात् असंग्रहकी अपेक्षा |
| १९६ | १० | खइय | खय |
| २०५ | ३ | उवसमिय कम्माण | उवसमिओ, कम्माण |
| २०७ | २ | देसघादि | देससव्वघादि |
| २०७ | १४ | सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व इन दोनों प्रकृतियों के देशघाति स्पर्धकोंका | सम्यक्त्वके देशघाती और सम्यग्मिथ्यात्वके सर्वघाती स्पर्धकोंका |
| २०८ | ६ | सम्मदंसणंसाभावदो | सम्मदंसणंसाभावादो |
| २१२ | ३ | पंचिदिय पज्जत | पंचिदियतिरिक्खपज्जत |
| २१२ | १८ | योनिमतियोंमें | योनिनी जीवोंमें |
| २१२ | २७ | योनिमतियोंमें | योनिनयोंमें |
| २१२ | १९ | भाव भी है और क्षायोपक्षमिक भाव भी है | भावहै और क्षायोपक्षमिक भाव है । |
| २१३ | १६ | योनिमतियोंमें | योनिमितियोंमें |
| २१६ | ६ | मंदबुद्धिसिस्सा | मंदबुद्धिसत्ता |
| २१६ | १० | पंचिदियपज्जत | पंचिदिय- पंचिंदिय पज्जत |
| २१६ | २२ | मंदबुद्धि शिष्योंके | मंदबुद्धि जीवोंके |
| २१६ | २७ | पंचेन्द्रिय पर्याप्तकोंमें | पंचेन्द्रिय और पंचेन्द्रिय पर्याप्तकोंमें |
| २१७ | ३ | वितत्थ भावोव | वि तब्भावोव |
| २१७ | १६ | होनेवाले भावोंका ज्ञान पाया | इस भावकी उपलब्धि हो |
| २२० | ७ | पमत्तसंजदा | पमत्तसंजदो |
| २२१ | ७ | ओघम्मि गदगुण | ओघप्पिदगुण |
| २२१ | २० | भावोंकी अपेक्षाओघमें कहे गये | भावकी अपेक्षा ओघमें विवक्षित |
| २२५ | ९ | सजोगिकेव्वली | सजोगिकेव्वली अजोगिकेव्वली |
| २५२ | ८ | रासीए वि | रासी वि |
| २५२ | २२ | कालसे संचित असंयत | कालसे संचित हुई असंयत |
| २५२ | २३ | इस कालका | इस कालके भीतर |
| २५४ | ११ | तरेण टिइसंचओ | तरेण जइ संचओ |
| २५४ | २८ | अंतरालसे स्थितिका | अंतरालसे यदि |
| २५५ | १६ | प्रमाणराशिसे फलराशिको गुणित | फलराशिसे इच्छाराशिको |

| | | | |
|-----|----|---|--|
| | | करके और इच्छाराशिसे | गुणित करके प्रमाणराशिसे |
| २६४ | १ | भागमेंत्तादो | भागत्तादो |
| २६५ | ६ | चये | चेय |
| २६७ | ६ | टाणो हितो | गुणटाणेहितो |
| २६७ | १९ | स्थानोंसे | गुणस्थानोंसे |
| २६८ | १ | पंचिपज्जततिरिक्ख पंचिदिय | पंचिदियतिरिक्खपज्जतपंचिदिय |
| २६८ | ५ | संजममुवलंभस्स | संजमलंभस्स |
| २६८ | ८ | संजमासंजममुवलंभादो जोणिणीसु | संजमासंजमलंभादो तिरिक्खजोणिणीसु |
| २९२ | ७ | संखेज्जगुणा | असंखेज्जगुणा |
| २९६ | २२ | संख्यातगुणा | असंख्यातगुणित |
| २९८ | ४ | आहाररिद्धीओ लब्भइ | आहाररिद्धीओ उवलब्भइ |
| ३०८ | ९ | भागो | भागो । कारणं चिंतिय वत्तव्वं । |
| ३०८ | ११ | सिद्धिएहि अणंतगुणो | सिद्धिएहि अणंतगुणो सिद्धेहि अणंतगुणो |
| ३०८ | ११ | गुणकार है । | गुणकार है । कारणका विचार कर कथन करना चाहिये । |
| ३१२ | ६ | विसेसा | विसेसो |
| ३१६ | ८ | संखेज्जगुणा | संखेज्जा गुणा |
| ३१६ | २१ | अपेक्षा संख्यात गुणे है। | अपेक्षा बहुत अधिक संख्यातगुणे है । |
| ३१७ | ७ | विप्पडिसेहत्तादो | विप्पडिसेहादो |
| ३२१ | १० | परुविदत्तादो | परुविदत्थत्तादो |
| ३२१ | २६ | ये बहुत बार प्ररुपण किये जा चुके है। | इनके अर्थका बहुत बार प्ररुपण कर आये है । |
| ३२७ | ९ | वासेण | वासेहि |
| ३२७ | ११ | मच्छंदतस्स | मच्छंडतस्स |
| ३२७ | ११ | सामणं | सामणं |
| ३२८ | ३ | कुदो ? | --- |
| ३३० | ७ | सागरोवम | बे सागरोवम |
| ३३० | २१ | सागरोवम | दो सागरोपम |
| ३३३ | ३ | किण्हलेस्सिएसु | किण्ह- णीललेस्सिएसु |
| ३३३ | १७ | कृष्ण | कृष्ण और नील |

२ समान पाठ भेद

| पान | ओळ | मुद्रित प्रति | ताडपत्री प्रत १ | ताडपत्री प्रत २ |
|-----|-----|-----------------------------------|-----------------|-----------------------|
| ३ | १ | संचित्ताचित | X | सच्चिताचित |
| ४ | ५ | णायसंभालटं ओघेणेत्ति | X | णायसंभालणटं ओघेणेत्ति |
| ६ | २ | मिच्छतं पज्जाया | X | मिच्छत पज्जाया |
| १० | ७ | मेत्तायामेण | मेत्तायामेहि | मेत्तायामेहिंतो |
| १३ | १२ | पमत्तसंजदस्स उच्चदे- एगो | X | पमत्तसंजदस्स एगो |
| १४ | २ | उच्चदे | X | X |
| १६ | ३ | उच्चदे | X | X |
| १६ | १२ | उच्चदे | X | X |
| १८ | ३ | अपमत्ता वा कालं करिय देवा जादा | X | X |
| १९ | ५ | णवद्ध णवण्णद्ध | --- | |
| २१ | ४ | छम्मासा ति | --- | छम्मास ति |
| २१ | ८ | पडणाभावा | --- | पडणाभावा |
| २१ | ८ | दिठमग्गो | --- | दिठिमग्गो |
| २६ | १३ | होदि | X | X |
| ३६ | ९ | पुधत्ताउअं | X | पुधत्ताउवअं |
| ५३ | १ | अपमत्तस्स उक्कस्संतं उच्चदे एककमे | --- | --- |
| ५३ | १३ | लंभादो | X | लंभा |
| ६३ | ३ | पणुवीसं | X | पणुवीसं |
| ६३ | ४ | एक्कतीसं | ---- | ----- |
| ६६ | ३ | मछंडिय | X | मछंडिय |
| ६८ | २ | असंखेज्जासंखेज्जाओसप्पिणि | X | --- |
| ८२ | ६ | छहिपज्जतीहि पज्जतयो | X | --- |
| ८३ | ६ | पंचहि पज्जतीहि पज्जतयो | X | |
| १२६ | ५ | परावत्तसहस्सं | परावत्तिसहस्सं | X |
| २२० | १२ | उप्पणो | X | ओपणो |
| २२२ | १० | होदि ति तेण | X | होदि तेण |
| २२३ | ६-७ | ण अकसायत्तं | णाकसायत्तं | X |
| २२४ | ५ | दवधम्माणइसु | धवधम्माणइसु | धवधम्माणइसु |
| २२४ | ६ | ” | ” | ” |
| २३८ | ६ | को भाबो, खइओ भावो | को भावो | ० |
| २३८ | ९ | एवं आहार मग्गणा समत्ता | X | पाठ नाहि |
| २४३ | ६ | त्थावयव | द्धावयव | |

| | | | | |
|-----|-----|---|--|--------------------------------|
| २४४ | १ | पडिसेहाभावा । ण च | X | पडिसेहाभावाणंच |
| २४४ | ६-७ | थोवात्ति | X | थोव त्ति |
| २५२ | ११ | आवलियाए | आवलिया | आवलिया |
| २५४ | १३ | वि X | त्ति | |
| २५५ | ३ | पलिदोवम | X | पल्लोवम |
| २६४ | २ | अण्णत्थ | X | अणत्थ |
| २६८ | ४-५ | संजमाससंजमलंभस्स | संजमासंजमलभस्स | संजमासंजमुवलंभस्स |
| २७३ | ११ | सरिसो | सरिलो | X |
| २७८ | १० | बहुणमणुवलंभा | बहुणमुवलंभा | X |
| २७९ | १ | अप्पसत्थ | अप्पमत्थ | X |
| २८० | ९ | असंखेज्जदिभागमेत्ताओ को पडिभागो १ घणं | असंखेज्जदिभागो घणं | X |
| ३०४ | ३ | सुत्तं | X | सुत्तं |
| ३०८ | ९ | X | कारणं चिंतिय वत्तव्वं | कारणं चिंतिय वत्तव्वं |
| ३०८ | ११ | अभविसिद्धिएहि अणंतगुणो, अणंताणि अणंताणि | -अभविसिद्धिएहि अणंतगुणोसिद्धेहि वि अणंतगुणे अणंतगुणो अणंताणि | अभवसिद्धिएहि अणंतगुणो सिद्धेहि |
| ३०९ | ५-६ | को गुणचारो | गुणचारो | गुणचारो |
| ३०९ | ८ | को गणचारो | गुणगारो | गुणगारो |
| ३०९ | १० | को गुणगारो | गुणगारो | गुणगारो |
| ३११ | ८ | सजोगिकेव्वली अजो | X | सजोगिकेव्वली अ अजो |
| ३१५ | ३ | विसेसाभावादो | X | विसेसाभावा. |
| ३५० | ६ | एवं आहारमग्गणासमत्ता | X | इतिपाठो नास्ति |
| १४० | ३ | पमतस्स उच्चदे | X | X |
| १४० | ९ | अपमतस्स उच्चदे | X | X |
| १४२ | ३ | परावत्त सहस्सं | परवत्तिसहस्सं | परावत्तीसहस्सं |
| १५० | १ | ५ ४-५ | X | |
| १५८ | ९ | उच्चदे | X | X |
| १५९ | ६ | अप्पमत्तस्स उच्चदे | X | X |
| १६१ | ३ | तेत्तीससागरोवमाउठिदिगेसु | X | तेत्तीसाटिदिगेसु |
| १६१ | ९ | तेवीस X | तेवीसा. | |
| १६६ | २ | अंतोमुहुत्तं | X | अंतोअंतोमुहुत्तं |
| १७० | ४ | थोवत्तुव | X | थोवत्तुव. |
| १७९ | ९ | एवं आहारमग्गणा समत्ता | X | X |
| १८५ | ४ | ५ | X | X |

| | | | | |
|-----|----|------------------------------|--------------------------|--|
| १८७ | ९ | परिणामुबलखिखयदव्वं | X | परिणामुव(णामिणिधम्मव- यारो णत्थिसंबंधी कायव्वो ठवणा य णामकाजस्स तण्णाम बद्धम्मेणद्धविंदं सो ठवण्णाति - विजाण्णसु णामध्दवणाणं १३१ पुदं. विससो.) लखिखय दव्वं. |
| १८९ | ९ | मिच्छदंसण | X | मिच्छदंसण |
| १९१ | ७ | णाण्णाणं | णाणंणाणं | X |
| १९२ | २ | चरितमेयविहं | चारित्तमेयविप्पं | X |
| १९२ | ९ | आणुपुव्वीए | आणुपुव्वी | |
| १९८ | ११ | पडुच्च खओवसमियं | X | पडुच्च त ओवसमियं |
| २०० | ६ | संतोवसमेण अणुदयोव समेण वा | संतोवसमेण | X |
| २०२ | ४ | सेण्डि वावारंतस्स | सेणिव्वावारत्तस्स | X |
| २०७ | ९ | चारितावरण | X | चारित्तावरण |
| २०७ | ११ | पारिणामिओ भावो | X | पारिणामि भावो |
| २११ | ७ | दुभावसण्णिद | X ण्णिदं दुभावमण्णिदं | दुभावसण्णिदं, दुभासम- |
| २१२ | ७ | ओवसमिओ खइओ खओवसमिओ वा | ओवसमिओ | X |
| २१३ | ३ | सेसगईसु | X | सेसगईएसु |
| २१९ | ४ | तेसिमण्णत्थ | X | तेसिमण्णत्थ. |